अरशद-नीरज के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा फायदेमंद : रजा

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पीसीबी प्रमुख रहे रमीज राजा ने कहा है कि पाक भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम और भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के बीच प्रतिद्वंद्विता होना अच्छी बात है। अरशद ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीता है जकि नीरज को रजत पदक मिला है। इन दोनो ही शीर्ष खिलाड़ियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा की रमीज ने प्रशंसा की है।

उन्होंने कहा कि दोनो ही स्टार खिलाड़ी हैं और उनके बीच इसी तरह से प्रतिस्पर्धा जारी रहनी चाहिये। अरशद जहां पाक की ओर से ओलंपिक के व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं। वहीं नीरज भी ओलंपिक और विश्वचैम्पियनशित के स्वर्ण विजेता हैं। रमीज ने कहा कि जिस प्रकार इस ओलंपिक में अरशद ने एक छोटे से गांव से निकलकर ओलंपिक में जीत दर्ज की है उसकी जितनी प्रशंसा करें वह कम है। साथ ही कहा कि ये उनके लिए एक बड़ी जीत है। इसमें सबसे अहम ये है कि अरशद का स्वभाव बेहद शांत है उसने न कोई ज्यादा उत्साह दिखाया न वह मुकाबले से पहले चिन्तित नजर आया। वह दयालु दिखते के अलावा कठोर भी रहा। उनके अंदर जो गुस्सा था। वह उनके थ्रो में दिखाई दे रहा था। राजा ने इसके साथ ही नीरज की खेल भावना की भी जमकर प्रशंसा की। साथ ही कहा कह नीरज इतनी सफलता के बाद भी जमीन से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि नीरज उस दिन एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ थे। जो उनसे बेहतर साबित हुआ। उन्होंने कहा कि दोनो ही देखों के बीच खेल मुकाबले होने चाहिये। उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि राजनीतिक तनाव के कारण खेल मुकाबले देखने का आनंद प्रशंसकों को नहीं मिल पा रहा।

उन्होंने कहा कि प्रशंसकों को राजनीति के कारण नुकसान क्यों होना चाहिये और दोनो देशों के बीच प्रतिस्पर्धाएं होनी चाहिए। दुनिया इस प्रकार के मुकाबले देखना चाहती है। उन्होंने कहा कि मैंने पीसीबी प्रमुख के पद पर रहते हुए हमेश ही दोनो देशों के बीच क्रिकेट सीरीज शुरु करने की बात कही थी।

पेरिस ओलंपिक में भारत को नहीं मिला एक भी स्वर्ण

पेरिस। हैवीवेट महिला मुक्केबाज रीतिका हुड्डा के बाहर होने के साथ ही पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल का अभियान समाप्त हो गया है। रीतिका 76 किलो भार वर्ग में उतरी थीं जहां उन्हें क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ ही भारत के पदक जीतने की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। भारत को पेरिस ओलंपिक में एक रजत और पांच कांस्य सहित कुल छह पदक मिले हैं। ये पिछले बार के टोक्यो ओलंपिक से भी कम है। टोक्यो में भारत को एक स्वर्ण मिला था तब उसे भाला फेंक में नीरज चोपड़ा ने ये पदक दिलाया था पर इस बार उसे एक भी स्वर्ण नहीं मिला। नीरज भाला फेंक में रहत ही जीत पाये। रीतिका को हराने वालीं किर्गिस्तान की पहलवान फाइनल में पहुंच जाती तो भारतीय पहलवान को रेपचेज दौर में मौका मिलता और एक कांस्य का अवसर रहता पर वह भी हाथ से निकल गया।

न्यूज ब्रीफ

श्रीजेश बोले मेरी जगह लेने के लिए देश में पर्याप्त प्रतिभाएं

पेरिस। ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने के साथ ही खेल से संन्यास लेने वाले स्टार गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने कहा है कि उनकी जगह लेने के लिए देश में पर्याप्त प्रतिभाएं हैं। श्रीजेश पिछले दो दशक से भारतीय टीम के गोलकीपर रहे हैं। उन्हें अपनी बेहतरीन गोलकीपिंग के कारण भारतीय गोल पोस्ट के सामने की मजबूत दीवार माना जाता है। पेरिस ओलंपिक में भी श्रीजेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में ये सवाल उठता है कि अब कौन उनकी जगह संभालेगा। इसी को लेकर श्रीजेश ने कहा, ''मेरे जाने से कोई खालीपन नहीं होगा। मेरी जगह कोई और बेहतर खिलाड़ी आएगा। ऐसा सभी खेलों में होता है। जिस प्रकार भारतीय क्रिकेट टीम में पहले सचिन तेंदुलकर थे। वहीं अब विराट कोहली हैं और कल कोई और उनकी जगह लेगा। इसलिए श्रीजेश की जगह कोई और आएगा। ये सिलसिला चलता रहेगा।'' उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में उनका जीवन हॉकी के आस-पास ही घूमता रहा है और अब जब वह संन्यास ले चुके हैं तो उन्हें नहीं पता कि वे क्या करेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं हॉकी के अलावा कुछ नहीं जानता। साल 2002 में जब मैं पहले दिन शिविर में गया था, तब से लेकर अब तक मैं उनके साथ रहा हूं।'' श्रीजेश ने आगे कहा, ''मुझे नहीं पता कि मुझे किन चीजों की कमी खलेगी, शायद जब मैं घर पहुंचू तो मुझे पता चले। हमेशा एक मजेदार माहौल होता है। जीत के बाद जश्न मनाना या हार के बाद साथ में रोना, यह मेरी जिंदगी रही है। शायद हम नहीं जानते कि इससे बाहर रहना कैसा होता है।'' श्रीजेश को भारतीय जूनियर टीम में कोच की भूमिका निभाने का प्रस्ताव मिला है और ऐसे में अब प्रशंसक उन्हें युवाओं को निखारते हुए देखेंगे।

जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम का रांची में 21 अगस्त को होगा ट्रायल

रांची। जालंधर (पंजाब) में 9 से 19 सितंबर तक होने वाली 14वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 के के लिए झारखंड टीम के चयन के लिए 21 अगस्त को ट्रायल होगा। बताया गया कि झारखंड टीम के गठन के लिए हॉकी खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 21 अगस्त को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी में होगा। यह चयन ट्रायल 21 अगस्त को प्रातः 9 बजे से होना है। इस चयन ट्रायल में झारखंड के वे हॉकी खिलाड़ी भाग ले सकते हैं, जिनका जन्म 1 जनवरी 2005 को या उसके बाद हुआ हो। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ी को अपने साथ पंचायत या नगर निगम से निर्गत जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, विद्यालय का बोनाफाइड प्रमाण पत्र, उम्र पात्रता प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है।

अफगानिस्तान के क्रिकेटर जनत पर आईसीसी ने प्रतिबंध लगाया, तीन अन्य खिलाड़ियों की जांच जारी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान के युवा क्रिकेटर इंशानुल्लाह जनत पर

मैच फिक्सिंग के मामले में पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया है। जनत फिक्सिंग के आरोपों की जांच में दोषी पाये गये थे। 19 साल की उम्र में पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले इंशानुल्लाह जनत उभरते हुए सलामी बल्लेबाज हैं। इस क्रिकेटर ने अब तक तीनों ही प्रारुपों में खेला है। आईसीसी के अनुसार जनत को काबुल प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र में भ्रष्टाचार रोधी आचार संहित के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इस कारण इस क्रिकेटर पर प्रतिबंध लगाया गया है। आईसीसी ने कहा है कि वह अफगानिस्तान के तीन और क्रिकेटरों पर लगे आरोपों की भी जांच कर रहा है। इस शीर्ष संस्था के अनुसार अब तक की जांच में पर्याप्त सबूत लग रहे हैं। साथ ही कहा कि जनत के अलावा अन्य क्रिकेटरों की भी जांच चल रही है औ इस मामले में शीघ्र ही फैसला सुनाया जाएगा। आईसीसी ने हालांकि इन क्रिकेटरों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किये हैं। अगर ये खिलाड़ी दोषी साबित होते हैं तो इससे अफगानिस्तान क्रिकेट की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। जनत ने 24 फरवरी 2007 को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 मैच से अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की थी।

श्रीलंका हार से उबरने के बाद टीम को तरोताजा करने की कवायद

19 सितंबर से एक बार फिर मैदान में उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम अब 19 सितंबर से एक बार फिर मैदान में नजर आयेगी। श्रीलंका दौरा के बाद टीम को तरोताजा होने के लिए करीब सवा महीने का ब्रेक मिल गया है। आमतौर पर वरिष्ठ सीनियर खिलाड़ियों को आराम देकर युवाओं को उतारा जाता है पर इस साल कार्यक्रम ऐसा है कि युवाओं को भी ब्रेक मिल गया है क्योंकि इस बीच कोई सीरीज नहीं है।

भारतीय क्रिकेट टीम अब सीधा 19 सितंबर से बांग्लादेश टीम से घरेलू सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में टीम को दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं। यह टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में शामिल रहेगी। ऐसे में भारत के पास बांग्लादेश को हराकर अंक तालिका में बढ़त लेने कर अच्छा अवसर है। भारतीय टीम अभी अंकतालिका में पहले स्थान पर है। इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी, यह सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा रहने वाली है। इसके बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका जाएगी। इस दौरे में चार मैच में टी20 सीरीज होगी। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया जाएगी। वहीं अगले साल की शुरुआत में उसे इंग्लैंड जाना है। ऐसे में देखा जाये तो 19 सितंबर से भारतीय टीम का जो कार्यक्रम है वह काफी व्यस्त है।

भारत ओर बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट- चेन्नई में 19 से 23 सितंबर तक खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट कानपुर में 27 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच होगा। इसके बाद तीन टी20 मैच धर्मशाला , दिल्ली और हैदराबाद में 6 , 9 और 12 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी, यह सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा रहने वाली है। न्यूजीलैंड के भारत दौरे का आगाज 16 अक्टूबर से शुरु होगा।

इस सीरीज का पहला पहला टेस्ट बेंगलुरु में 16 से 20 अक्टूबर जबकि दूसरा पुणे में 24 से 28 अक्टूबर और तीसरा मुंबई में 1 से 5 नवंबर के बीच खेला जाएगा।

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड की मेजबानी करने के बाद भारतीय टीम चार मैच की टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। यह सीरीज 8 नवंबर से शुरू होगी और आखिरी मैच 15 नवंबर को खेला जाएगा।

इस पहला टी20- डरबन में 8 नवंबर जबकि दूसरा टी20- गकबेर्हा में 10 नवंबर, तीसरा टी20- सेंचुरियन में 13 नवंबर और चौथा टी20 जोहानसबर्ग में 15 नवंबर को खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के बाद भारतीय टीम का अगला दौरा ऑस्ट्रेलिया का होगा। बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया इस बार 4 की जगह 5 मैच की टेस्ट सीरीज खेलेगी। भारत ने पिछले दो दौरों पर ऑस्ट्रेलिया को हराया है। ऐसे में इस बार भी टीम की नजरें जीत पर रहेंगी।

इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया से पहला टेस्ट- पर्थ में 22 नवंबर से 26 नवंबर जबकि दूसरा - एडिलेड में 6 दिसंबर से 10 दिसंबर, तीसरा टेस्ट ब्रिसबेन में 14 दिसंबर से 18 दिसंबर , चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से 30 दिसंबर तक खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट सिडनी में 3 जनवरी से 7 जनवरी तक होगा।)

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारतीय टीम नये साल की शुरुआत में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम 5 टी20 और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले यह वनडे सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण होगी।

महिला टी20 विश्वकप : बीसीबी ने सेना प्रमुख से मांगी सुरक्षा गारंटी

ढ़ाका। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के कारण अक्टूबर में होने वाले महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी उसके हाथ से निकलने का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसी से चिन्तित बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अब सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमान से टूर्नामेंट के आयोजन के लिए सुरक्षा मांगी है। बांग्लादेश में फैली हिंसा के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा था। इस स्थिति में महिला टी20 विश्व कप का अक्टूबर में आयोजन मुश्किल माना जा रहा है हालांकि नई सरकार बनने के बाद बीसीबी को उम्मीद है कि सेना आयोजन में सहायता करेगी। महिला टी20 विश्व कप बांग्लादेश के सिलहट और मीरपुर में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के अभ्यास मैच अगले माह 27 सितंबर से शुरू हो जाएंगे। इसी को देखते हुए ही बीसीबी ने सेना प्रमुख को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के आयोजन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है। बीसीबी अंपायरिंग कमेटी के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद मिठू ने कहा, हम टूर्नामेंट की मेजबानी करने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें दो माह ही बचे हैं , इसलिए हमने महिला टी20 विश्व कप में सुरक्षा की गारंटी को लेकर प्रमुख को एक पत्र भेजा है क्योंकि हमारे पास अब केवल दो महीने का समय बचा है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भी बांग्लादेश के हालातों पर नजरें लगी हुई हैं। माना जा रहा है कि अगर हालात ठीक नहीं हुए तो आईसीसी किसी अन्य देश को इसकी मेजबानी दे सकता है।

नीरज चोपड़ा बोले- आने वाले समय में बेहतर प्रदर्शन करुंगा

पेरिस। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है आने वाले समय में वह अपने प्रदर्शन की कमियों को सुधार कर बेहतर प्रदर्शन करेंगे। नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीता था, ऐसे में भारतीय प्रशंसकों को उनसे अपना प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद थी पर वह इस बार रजत ही जीत पाये।

नीरज का कहना है कि अब वह अपने थ्रोइंग एंगल (भाला फेंकने के कोण) और रन-अप को ठीक कर और भी अच्छा प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेंगे। ओलंपिक से पहले वह पैर में मांसपेशियों की चोट से भी गुजर रहे थे। इस कारण भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ। नीरज ने कहा, ''मैं अपनी ताकत से खुश हूं पर मुझे लगता है कि अगर मेरा थ्रोइंग एंगल बेहतर हो जाए तो मैं और दूर तक थ्रो कर सकता हूं। मैंने अभी अपना वीडियो नहीं देखा है। मुझे लगा है कि थ्रो के बाद ऊंचाई कुछ कम पड़ रही थीं, मुझे अपने रन-अप को भी ठीक करना होगा। इसलिए अगर मैं फिट रहा तो और बेहतर थ्रो कर सकूंगा।''

उन्हें उम्मीद है कि भारत को 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी का अधिकार मिल जाएगा। उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर देखा जाये तो यह भारतीय दल के लिए एक अच्छा ओलंपिक था। कई खिलाड़ी चौथे स्थान पर थे और उन्होंने अच्छी तरह से प्रतिस्पर्धा की। साथ ही कहा, ''यह अच्छा है कि लोग अब हमारे खेल को देख रहे हैं। वे हमारे खेल को लाइव देखते हैं, वे इन खेलों को देखने के लिए जल्दी उठ रहे हैं और देर से सो रहे हैं। यह एक संकेत है कि भारत में खेल को लेकर माहौल बदल रहा है।''

महावीर फोगाट बोले- विनेश को जरूर मिलेगा सिल्वर मेडल

नई दिल्ली। महिला पहलवान विनेश फोगाट के ताऊ महावीर फोगाट ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही फैसला आएगा कि विनेश को सिल्वर मेडल मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी कोशिश कर रही है, खेल पंचाट का फैसला भारत को हक में आएगा। खेल कोर्ट यानि कोर्ट ऑफ आर्बिरेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) द्वारा विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल देने का फैसला रविवार तक टालने के बाद महावीर फोगाट ने कहा कि सुनवाई पूरी हो चुकी है। हमें सीएएस के फैसले का इंतजार है। हमें इंतजार करते तीन दिन हो गए हैं... अब जब भी फैसला आएगा उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी कोशिश कर रही है, इसके लिए उनका धन्यवाद। उन्होंने उम्मीद जताई कि विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल जरूर मिलेगा।

शाकिब के अड़ियल रवैये से टी20 कनाडा लीग से बाहर हुई बांग्ला टाइगर्स

टोरंटो। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का विवादों से पूराना नाता रहा है। इसी कारण उनपर आरोप भी लगते रहे हैं। अब ग्लोबल टी20 कनाडा लीग के दौरान भी उनकी जिद के कारण ही उनकी टीम बाहर हो गयी।ि

इस टूर्नामेंट का एलिमिनेटर मुकाबला शाकिब की बांग्ला टाइगर्स मिसिसॉगा और टोरंटो नेशनल्स के बीच खेला जाना था पर मगर खराब मौसम के चलते मैच होना संभव नजर नहीं आ रहा था। ऐसे में अंपायरों ने 1-1 ओवर का मैच रखा पर टीम के कप्तान शाकिब इसमें उतरने को तैयार नहीं हुए।

एक रिपोर्ट के अनुसार शाकिब ने 1-1 ओवर का मैच खेलने से मना दिया। उनका कहना था कि यह नियमों का उल्लंघन है। नियम यह है कि 1-1 ओवर का मैच तभी होता है जब मैच टाई हो। इसके अलावा किसी भी मैच का परिणाम निकालने के लिए 5-5 ओवर का खेल होना जरूरी है। अगर बांग्ला टाइगर्स मिसिसॉगा वर्सेस टोरंटो नेशनल्स एलिमिनेटर बारिश के चलते नहीं हो पाता तो नियमों के तहत शाकिब की बांग्ला टाइगर्स मिसिसॉगा को क्वालिफायर-2 के तौर पर प्रवेश मिल जाता क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में तीसरे पायदान पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंची थी।

मैच अधिकारी शाकिब को खेल के लिए समझाते रहे पर उन्होंने उपनी जिद नहीं छोड़ी। अंत में जब शाकिब टॉस के लिए मैदान पर नहीं उतरे तो अंपायों ने मैच को रद्द करते हुए अंक तालिका में नंबर-4 पर होने के बाद भी टोरंटो नेशनल्स को अगले दौर मे में भेज दिया।

पेरिस ओलंपिक-2024 में इस बार छह भारतीय खिलाड़ी चौथे नंबर पर रहे

पेरिस। भारतीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में इस बार भारतीय खिलाड़ी केवल छ पदक ही जीत पाये जबकि पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में उसने 7 पदक जीते थे जिसमें एक स्वर्ण भी शामिल था। इस बार भारतीय दल के पास और भी पदक जीतने का अवसर था पर क्वार्टर फाइनल में हार से वह निकल गया। 6 खिलाड़ी चौथे नंबर पर रहे जिससे हाथ आये पदक निकल गये। इस बार केवल निशानेबाज ही उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन कर पाये। वहीं अन्य खेलों में निर्णायक क्षणों में हार से भारतीय खिलाड़ियों के हाथ से पदक निकल गये।

निशानेबाजी में दो पदक जीतकर, मनु भाकर ने प्रभावित किया। मुन ने एकल के बाद मिश्रित इवेंट में निशानेबाज सरबजोत सिंह के साथ कांस्य जीता। इसके अलावा व्यक्तिगत वर्ग में निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने भी कांस्य जीता। भाला फेंक में पिछले बार के स्वर्ण विजेता नीरज इस बार रजत पदक ही जीत पाये। भारतीय हॉकी टीम ने लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। कुश्ती में अमन सहरावत ने एक मात्र पदक जीता। कुश्ती में विनेश फोगाफ के सेमीफाइनल में वजन अधिक होने के कारण अयोग्य घोषित होने से भी भारत के हाथ से एक पदक निकल गया।

मनु भाकर 25 मीटर एयर पिस्टल में चौथे स्थान पर रही ओर उनके हाथ से तीसरा पदक निकल गया। इसके अलावा निशानेबाज अर्जुन बबूता भी पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में चौथे नंबर पर रह गए। इसके अलावा महेश्वरी चौहान और अनंतजीत सिंह नरूका भी निशानेबाजी के स्कीट टीम इवेंट में चौथे नंबर पर रहे।

बैडमिंटन में पीवी सिंधु लगातार तीसरी बार ओलंपिक पदक जीतने से रह गयीं। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन भी सेमीफाइनल में पहुंच पर वहां हार से पदक नहीं जीत पाये।

वहीं भारोत्तोलन में मीराबाई चानू भी पदक जीतने में विफल रहीं। . उन्होंने वेटलिफ्टिंग की अपनी कैटेगरी में कुल 199 किलो का वजन उठाया और चौथे नंबर पर रहीं. 200 किलो वजन उठाने वाली वेटलिफ्टर ने ब्रॉन्ज मेडल जीता. इस तरह मीराबाई चानू एक किलो वजन से मेडल चूक गईं. तीरंदाजी में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवड़ा की जोड़ी भी चौथे स्थान पर रही और पदक हासिल नहीं कर पायी। मुक्केबाजी में निशांत देव और पिछले बार की रजत विजेता लवलीना बोरगोहेन भी क्वार्टर फाइनल में आकर हार गयीं।

रेसलर विनेश फोगाट को मेडल मिलेगा या नहीं ? 13 तक के लिए टला फैसला

नई दिल्ली। हरियाणा की रेसलर विनेश फोगाट को पेरिस में मेडल मिलेगा या नहीं। इस पर फैसला कोर्ट ऑफ आर्बिटरेशन फॉर स्पोर्ट्स ने साढ़े नौ बजे अपना फैसला देने की बात कही थी। हालांकि आईओए के हवाले से खबर आ रही है कि ओलंपिक फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ विनेश फोगाट की अपील पर सीएएस का फैसला 13 अगस्त तक टाला गया है।

50 किलोग्राम फ्री स्टाइल कुश्ती में बढ़े वजन के चलते हो गई थी डिक्वालिफाई

डिजिटल डेस्क, पानीपत। हरियाणा की रेसलर को पेरिस में मेडल मिलेगा या नहीं। इस पर फैसला आने में कुछ ही समय बचा है इसको लेकर खेल कोर्ट यानी कोर्ट ऑफ आर्बिटरेशन फॉर स्पोर्ट्स 13 अगस्त को फैसला आने की बात कही थी।

खेल पंचाट न्यायालय (सीएएस) यानी कोर्ट ऑफ आर्बिटरेशन फॉर स्पोर्ट्स ने भारतीय पहलवान विनेश फोगट की ओलंपिक खेलों के महिला 50 किग्रा फ्री-स्टाइल फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील पर निर्णय लेने में एक और दिन लेगा।

29 वर्षीय विनेश को बुधवार को वजन के समय 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था। उनकी अपील पर बहुप्रतीक्षित फैसला शनिवार शाम को घोषित किया जाना था।

13 अगस्त शाम 6 बजे तक का दिया समय

आईओए ने एक बयान में कहा कि सीएएस ने विनेश फोगट बनाम यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति में एकमात्र मध्यस्थ माननीय डॉ. एनाबेले बेनेट को निर्णय जारी करने के लिए 13 अगस्त, 2024 को शाम 6 बजे तक का समय दिया है। इसमें कहा गया कि तर्कसंगत आदेश बाद में जारी किया जाएगा।

नीरज चोपड़ा ने विनेश फोगाट को लेकर कही ये बात

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक से अयोग्य ठहराए जाने के बाद भारतीय पहलवान विनेश फोगट की कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में रजत पदक के लिए अपील पर खुलकर बात की और कहा कि अगर 29 वर्षीय विनेश को पदक मिलता है तो यह 'बहुत अच्छा' होगा।

विनेश को स्वर्ण पदक के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की सारा एन हिल्डेब्रांट के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी थी, लेकिन बुधवार को वजन सीमा से केवल 100 ग्राम अधिक होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। अयोग्य ठहराए जाने के बाद, फोगट ने सीएएस से अनुरोध किया कि उन्हें रजत पदक दिया जाए।

विनेश फोगाट के देश लिए किए गए कार्यों को न भूले- नीरज चोपड़ा

कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट ने घोषणा की कि महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती के फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के बाद विनेश फोगट को रजत पदक देने का निर्णय चल रहे मार्की इवेंट के खत्म होने से पहले लिया जाएगा। इंडिया हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, नीरज ने नागरिकों से विनेश फोगट द्वारा देश के लिए किए गए कार्यों को न भूलने के लिए कहा।

अगर पदक नहीं जीतते तो वे लोग हमें भूल जाते हैं- नीरज चोपड़ा

नीरज ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि अगर वह पदक जीतती है तो यह वाकई बहुत अच्छा होगा। अगर ऐसी स्थिति नहीं आती तो उसे पदक मिल जाता। अगर हम पदक नहीं जीतते तो लोग हमें कुछ समय के लिए याद रखते हैं और कहते हैं कि हम उनके चैंपियन हैं, लेकिन अगर हम पदक नहीं जीतते तो वे हमें भूल जाते हैं...मैं लोगों से बस इतना अनुरोध करना चाहता हूं कि विनेश ने देश के लिए जो किया है उसे न भूलें...।